T .Y.B.A.-HINDI (G-3)
हिंदी साहित्य और भाषा

सेमिस्टर - ५	विषय कोड नं.ए - ५१७०३	कुल व्याख्यान - ४८

उद्देश्य:

- छात्रों को हिंदी नाट्यविधा से परिचित कराना तथा साहित्य के इस विधा का अध्ययन कराना ।
- छात्रों को पत्रकारिता का स्वरुप और उसके विविध आयाम अवगत कराना ।
- शुध्द हिंदी लेखन की नियमावली का ज्ञान देकर , अशुद्धियों के प्रति सचेत कराना ।
- व्यावहारिक और हिंदी पारिभाषिक शब्दों से परिचय कराना ।
- हिंदी कहावतों की जानकारी देकर छात्रों की भाषा विकसित कराना ।

युनिट १: ' एक और द्रोणाचार्य '' लेखक - शंकर शेष	व्याख्यान १५
• हिंदी नाट्य विधा का इतिहास, स्वरुप और विकासयात्रा • लेखक शंकर शेष जी के व्यक्तित्व और कृतित्त्व से परिचय । • हिंदी नाट्यविधा में लेखक का स्थान निर्धारण । • लेखक की अन्य नाट्यकृतियों के परिप्रेक्ष्य में " एक और द्रोणाचार्य'' नाटक का मूल्यांकन ।	

युनिट२	व्याख्यान १५
• " एक और द्रोणाचार्य'' नाटक का अध्ययन • कथानक और पात्र – परिचय • संवाद ,भाषाशैली और उद्देश्य • नाटक में प्रस्तुत व्यंग्य	

युनिट ३ पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम	व्याख्यान ०८
• वाक्य शुद्धीकरण • हिंदी कहावतें - अर्थ और वाक्य में प्रयोग । • व्यावहारिक हिंदी –विविध व्यवसायों के लिए हिंदी शब्द । • पारिभाषिक शब्द – "पदनाम'' के हिंदी शब्द ।	

ST. MIRA'S COLLEGE FOR GIRLS * POONA-411001 *

युनिट ४ पत्रकारिता	व्याख्यान १०
• पत्रकारिता का अर्थ और स्वरुप । • पत्रकारिता की विविध परिभाषाएँ । • पत्रकारिता के प्रकार । • पत्रकारिता का उद्देश्य । • आदर्श पत्रकार के गुण ।	

अतिथि व्याख्यान , समूहचर्चा ,ग्रंथालय गतिविधि ,प्रोजेक्ट	व्याख्यान १२

पाठ्य पुस्तक :-

" एक और द्रोणाचार्य"- लेखक डॉ.शंकर शेष ।

संदर्भ ग्रंथ :-

१. डॉ. प्रकाश जाधव (१९९०) " रंगकर्मी नाटककार – शंकर शेष" – प्रथम संस्करण , विकास प्रकाशन –साकेतनगर,कानपुर १४ ।
२. सुनिलकुमार लवटे (१९८२) – " नाटककार शंकर शेष " – प्रथम संस्करण , संजय प्रकाशन - शनिवार पेठ,कोल्हापुर ।
३. डॉ.केशवदत्त रुवाली – (१९९२) " मानक हिंदी ज्ञान " – अल्मोडा बुक डेपो , अल्मोडा ।
४. महेंद्र मित्तल -" व्यावहारिक हिंदी " शबरी संस्थान दिल्ली ।
५. आलोक मेहता –(२००७) " पत्रकारिता की लक्ष्मण रेषा"सामायिक प्रकाशन – नई दिल्ली ।
६. डॉ.यू.सी. गुप्ता (२००९) " हिंदी पत्रकारिता का स्वरुप " अर्जुन पब्लिकेशन हाऊस – नई दिल्ली ।
७. सविता चद्ढा (२००९) " हिंदी पत्रकारिता अध्ययन और आयाम" दीप प्रिंटर्स- दिल्ली ।
८. डॉ.अर्जुन तिवारी (२००४) " आधुनिक पत्रकारिता " विश्वविद्यालय प्रकाशन – वाराणसी ।
९. डॉ.प्रकाश जाधव(१९८८)"डॉ.शंकर शेषका नाटक साहित्य"रत्नालय प्रकाशन- कानपुर -१
१०.गुलाब कोठारी(२००३) " पत्रकारिता जनसंचार और विज्ञापन" राजस्थान पत्रिका – केसरगढ -जयपुर ।

St. MIRA'S COLLEGE FOR GIRLS

T .Y.B.A.-HINDI (G-3)
हिंदी साहित्य और भाषा

सेमिस्टर - ६	विषय कोड नं.ए - ६१७०३	कुल व्याख्यान - ४८

उद्देश्य:

- हिंदी काव्यविधा का संक्षिप्त इतिहास तथा उसके विकास से छात्रों को परिचित कराना ।
- खंडकाव्य की विशेषताओं से परिचय कराना ।
- छात्रों में अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने की कला को विकसित करना ।
- व्यावहारिक और पारिभाषिक शब्दों से अवगत कराना ।
- जनसंचार माध्यमों का सामान्य परिचय कराना ।

युनिट १: खंडकाव्य – 'भूमिजा'' कवि नागार्जुन	व्याख्यान १५
• हिंदी काव्यविधा का इतिहास । • उसकी विकासयात्रा से परिचय । • "खंडकाव्य'' विधा की विशेषताओं का परिचय । • कवि नागार्जुन के व्यक्तित्व और कृतित्व का ज्ञान । • हिंदी काव्यविधा में नागार्जुन का स्थान ।	

युनिट२	व्याख्यान १५
• खंडकाव्य का अध्ययन और अनुशीलन • कवि नागार्जुन के अन्य खंडकाव्यों के परिप्रेक्ष्य में उनका "भूमिजा''खंडकाव्य । • प्रस्तुत काव्य की विशेषताएँ • "भूमिजा'' की भाषा शैली , चरित्र – चित्रण और उद्देश्य ।	

युनिट ३ पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम	व्याख्यान १०
• अनुवाद - अर्थ , आवश्यकता और महत्त्व । • अनुवाद के प्रकार • अनुवादक के गुण • प्रायोगिक - अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद – अभ्यास • व्यावहारिक हिंदी शब्द – "लेखन सामग्री '' • पारिभाषिक शब्द – " बैंक'' से संबंधित हिंदी शब्द ।	

ST. MIRA'S COLLEGE FOR GIRLS POONA-411001

युनिट ४	व्याख्यान ०८
• जनसंचार माध्यम (सामान्य परिचय) • मुद्रित माध्यम - समाचारपत्र , पत्र – पत्रिकाएँ • इलेक्ट्रॉनिक्स माध्यम - रेडियो , दूरदर्शन , संगणक और इंटरनेट • जनसंचार माध्यमों का अविष्कार • जनसंचार माध्यमों का विकास और महत्त्व ।	

अतिथि व्याख्यान , प्रस्तुतिकरण ,गुट चर्चा और ग्रंथालय गतिविधियाँ।	व्याख्यान १२

पाठ्य पुस्तक-
'' भूमिजा '' – कवि नागार्जुन

संदर्भ ग्रंथ :-

१. वीरेंद्र सिंह (१९९५) '' यायावर कवि नागार्जुन - मूल्यांकन'' रामकृष्ण प्रकाशन - म.प्र. ।

२. अजय तिवारी (१९९८) – '' नागार्जुन की कविता'' वाणी प्रकाशन , दिल्ली ।

३.'' आलोचना''त्रैमासिक -दिसंबर-२०११ '' कवि नागार्जुन-विशेष अंक'' राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.दिल्ली -२ ।

४.क्षेमचंद्र '' सुमन'' (१९९०) ''साहित्य विवेचन'' –आत्माराम एण्ड सन्स- कश्मिरी गेट , दिल्ली ।

५.गोंविद त्रिगुणायत –(१९६२) '' शास्त्रीय समीक्षा के सिध्दांत '' भारती साहित्य मंदिर – दिल्ली ।

६.वीरेंद्रकुमार गुप्त (१९८३) ''सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना '' - एस,चंद एण्ड कंपनी लि. नई दिल्ली ।

७.भोलानाथ तिवारी (१९९७) '' अनुवाद- कला - '' शब्दकार प्रकाशन – दिल्ली ।

८.प्रो.हरिमोहन (२००६) ,''आधुनिक जन-संचार और हिंदी -बालाजी ऑफसेट नया शहादरा ,दिल्ली ।

९.सुधीश पचौरी (२००२) '' जनसंचार माध्यम '' बी.के ऑफसेट शाहदरा,दिल्ली

ST. MIRA'S COLLEGE FOR GIRLS